लड़का होना ज्यादा अच्छा है; फिर भी .....

(पुस्तक के कुछ अंश)

कई बार सोचती हूँ, भगवान ने मुझे लड़की क्यों बनाया।लड़का बनाते तो कितना अच्छा होता।अब आप पूछेंगे क्यों..सिंपल सा जवाब है...लड़कों की लाइफ हमारी लाइफ से कितनी अच्छी है।पिछले दिनों एक वीडियो वायरल हो गया।क्योंकि एक लड़की खड़े होकर सू सू करने की एक्टिंग कर रही थी और तमाम लड़के और पुरुष उसे हैरानी से देख रहे थे।

यानि लड़के कहीं भी सू सू कर सकते हैं।कोई हैरानी नही।एक लड़की ने एक्टिंग की, तो भी देखने मजमा लग गया। यानि हमे 100 बार सोचना पड़ता है।

लड़के आधी रात को घर लौटे,कोई उन्हें कुछ नही कहता। कोई लड़की आधी रात को चाहे वैलिड रीज़न से घर आए। पूरे मोहल्ले की तरफ से कैरेक्टर सर्टिफिकेट बंटना शुरू हो जाता है।
आगे............

कई बार सोचती हूँ, भगवान ने मुझे लड़की क्यों बनाया।लड़का बनाते तो कितना अच्छा होता।अब आप पूछेंगे क्यों..सिंपल सा जवाब है...लड़कों की लाइफ हमारी लाइफ से कितनी अच्छी है।पिछले दिनों एक वीडियो वायरल हो गया।क्योंकि एक लड़की खड़े होकर सू सू करने की एक्टिंग कर रही थी और तमाम लड़के और पुरुष उसे हैरानी से देख रहे थे।

यानि लड़के कहीं भी सू सू कर सकते हैं।कोई हैरानी नही।एक लड़की ने एक्टिंग की, तो भी देखने मजमा लग गया। यानि हमे 100 बार सोचना पड़ता है।

लड़के आधी रात को घर लौटे,कोई उन्हें कुछ नही कहता। कोई लड़की आधी रात को चाहे वैलिड रीज़न से घर आए। पूरे मोहल्ले की तरफ से कैरेक्टर सर्टिफिकेट बंटना शुरू हो जाता है।

लड़के लोग,कहीं भी बाइक रोक कर किसी भी लड़की से बातें करें। कोई माँ का लाल उसे गलत नही कहेगा।हाँ,लड़की ऐसा करे तो उस पर तुरन्त "चालू" होने का ठप्पा लग जाता है।

लड़के कहीं भी खाँ ख़ाँ खीं खीं करे,कोई बात नही।पर लड़की जरा जोर से हंस दे।फिर देखिये---बहू बेटियों के लक्खन तो हैं ही नही इनमे।तमगा मिल जाता है।

पिछले दिनों हम रूम ढूंढ रहे थे अपने लिये। गली के मोड़ पर एक साहब अपनी नाड़े वाली चड्डी में खड़े होकर मस्ती से अजीब तरीके से अपनी तोंद सहला रहे थे। इन्हें कोई कुछ नही कहता और लोग लड़कियों के कपड़ों पर तुरन्त सवाल उठाते हैं।

पिछले दिनों जिंस कुर्ती में अपनी एक प्रोफाइल पिक. लगाई थी। एक जनाब इनबॉक्स में गरिया गए--खम्मा घणी होकम।दुपट्टा तो डाल लेते। आपको शोभा देता है क्या होकम। कोई जवाब देती

तब तक ब्लॉक कर दिया मुझे।और ये लड़के--बनियान में फोटो लगाएं,उन्हें कोई कुछ नही कहता। आज तक प्रोफाइल पिक. के कारण किसी ने किसी को ब्लॉक किया होगा कभी..

आधी रात तक लड़के बाहर रहें, उनके साथ कोई कुछ नही करता, मगर लड़कियां बाहर रहें तो उनके साथ रेप होता है साहब।

पिछले दिनों ट्रेन में यात्रा के समय,एक अंकल जी आराम से बैठे थे। अचानक जाने क्या हुआ,वहीं खड़े-खड़े अपनी पेंट उतारी और रिलैक्स होकर बैठ गए। यहाँ हमे अगर इनर भी सही करना हो तो बाथरूम में जाना पड़ता है ।

कई पुरुष मित्र फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट होते ही इनबॉक्स में तमाम जानकारी लेने हाजिर हो जाएंगे। क्या करती हैं आप ?कहाँ रहती हैं ? पति क्या करते हैं ? जैसे दोस्ती नही करनी, बारात लेकर घर आना हो ।

किसी की पोस्ट पर माँ बहन एक करनी हो या खुल कर प्रेमालाप। किसी भी उम्र के पुरुष को देखो,बिंदास लिखेगा। सारी मर्दानगी पोस्ट पर ही दिखा देंगे ओर हम महिलाएं यदि थोड़ा भी असंयत शब्द लिख दें तो हमारा सारा खानदान बखाना जाएगा। हमारी इमेज मिट्टी की भी नही रहेगी।

लड़के चाहे रोज अपनी प्रोफाइल पिक बदलें, किसी को आपत्ति नहीं।पर हम बदलें तो लाइक, कमेंट के हथकंडे बताए जाते हैं।

कोई लड़का या आदमी अच्छा लिखे या बुरा।यदि किसी लड़की या महिला की पोस्ट पर ज्यादा लाइक कमेंट आ जाएं तो,उसकी काबिलियत के कारण नहीं ,बल्कि लड़की होने के कारण मिल रहे हैं ये बताया जाएगा।

फेमस होने के लिये किसी लड़की को लड़का बनते देखा है कभी ? पर किसी लड़की के नाम की फेक आई डी से ना जाने कितने लड़के रातों रात फेमस हो जाते हैं। इन्ही फेक id पर लार टपकाते लड़कों और पुरुषों की कतार नज़र आएगी।

आज तक कितनी लड़कियाँ या महिलाएं पुरुषों के फोटो पर आई लव यू लिखती देखी गईं ?? जबकि पुरुष अपनी बेटी की उम्र की लड़कियों की फोटो पर बिंदास ILU... लिखते हैं।

इतना सब देख कर कई बार लगता है।लड़का होना ज्यादा अच्छा है। फिर भी ईश्वर से यही वर मांगती हूँ---"अगले जनम मोहे.....बिटिया ही कीजो.....